केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, दिल्ली

सैकण्डरी स्कूल परीक्षा (कक्षा दसवीं)

परीक्षार्थी प्रवेश–पत्र के अनुसार भरें

विषय **Subject :** HINDI COURSE-A

विषय कोड **Subject Code :** 002

परीक्षा का दिन एवं तिथि
Day & Date of the Examination : 19/03/2019 Tuesday

उत्तर देने का माध्यम
Medium of answering the paper : HINDI

प्रश्न पत्र के ऊपर लिखे कोड को दर्शाएँ : Write code No. as written on the top of the question paper :	Code Number	Set Number
	3/1/3	① ② ● ④

अतिरिक्त उत्तर–पुस्तिका (ओं) की संख्या
No . of supplementary answer -book(s) used —

बेंचमार्क विकलांग व्यक्ति — हाँ / नहीं
Person with Benchmark Disabilities — **Yes / No** : No

विकलांगता का कोड
(प्रवेश पत्र के अनुसार)
Code of Disabilities
(as given on Admit Card) —

क्या लेखन – लिपिक उपलब्ध करवाया गया : हाँ / नहीं
Whether writer provided : **Yes / No** : No

यदि दृष्टिहीन हैं तो उपयोग में लाए गये सॉफ्टवेयर का नाम :
If Visually challenged, name of software used : —

*एक खाने में एक अक्षर लिखें। नाम के प्रत्येक भाग के बीच एक खाना रिक्त छोड़ दें। यदि परीक्षार्थी का नाम 24 अक्षरों से अधिक है, तो केवल नाम के प्रथम 24 अक्षर ही लिखें।

Each letter be written in one box and one box be left blank between each part of the name. In case Candidate's Name exceeds 24 letters, write first 24 letters.

कार्यालय उपयोग के लिए
Space for office use

2102045
002 / 17183

Instructions to Candidates

1. Make sure that the answer-book contains 32 pages and are properly serialed in number (including title pages) as soon as you receive it.
2. DO NOT make any special sign or mark in or outside the answer-book, supplementary answer-book, graph-paper, map etc.
3. DO NOT write your roll no., name of your school or place of examination in any of your answers.
4. You must write the supplementary answer-book serial no. in the attendance sheet.
5. Write on each ruled line on both sides and do not waste pages by leaving a wider margin.
6. DO NOT tear out or fold the pages of the answer-book and do not leave any page blank unnecessarily. No supplementary anwer-book(s) should be asked for unless this answer-book / the previous supplementary answer-book is finished.
7. Number your answers according to their numbers in the question paper.
8. Draw a line when a question (or a part thereof) is finished.
9. Securely tag your answer-book with supplementary answer-book(s), graph-paper, map etc. if used by you, but DO NOT write your Roll No. on the supplementary answer-book, graph-paper, map etc.
10. Use only blue-black or royal-blue ink/gel/ball point pen. Using of any other writing instrument/ink/pencil etc will be on your own risk and responsibility.
11. For rough calculation etc., appropriate margin on the right-hand side of the page may be drawn. The rough calculations etc. should be crossed out afterwards.
12. DO NOT leave the examination hall without handing over the answer-book to the Asstt. Supdt.
13. If during the course of examination, a candidate is found indulging in any of the following, he/she shall be deemed to have used unfair means at the examinations, and as such his/her result shall not be declared but shall be marked as UNFAIR MEANS (U.F.M.) :-
    (a) having in possession papers, books, notes or any other material or information relevant to the examination in the paper concerned;
    (b) giving or receiving assistance directly or indirectly of any kind or attempting to do so;
    (c) writing questions or answers on any material other than the answer book given by the Centre Superintendent for writing answers;
    (d) tearing of any page of the answer-book or supplementary answer-book etc.
    (e) contacting or communicating or trying to do so with any person, other than the Examination Staff, during the examination time in the examination centre;
    (f) taking away the answer-book out of the examination hall/room;
    (g) using or attempting to use any other undesirable method or means in connection with the examination;
    (h) smuggling out Question Paper or its part or smuggling out answer-book/ supplementary answer-sheet or part thereof; and
    (i) threatening any of the officials connected with the conduct of the examinations or threatening of any of the candidates.

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, दिल्ली

Central Board of Secondary Education, Delhi

SECONDARY SCHOOL EXAMINATION (CLASS X)

सैकण्डरी स्कूल परीक्षा (कक्षा दसवीं)

Q. No.	01	02	03	04	05	06	07	08	09	10	TOTAL
MARKS	8	7	3	4	4	4	5	8	4	8	55

Q. No.	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	TOTAL
MARKS	4	10	5	5							24

Q. No.	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	TOTAL
MARKS											

Q. No.	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	TOTAL
MARKS											

	GRAND TOTAL 79	79
MARKS IN WORDS	Seventy nine	

CB

प्रमाणित किया जाता है कि मैंने इस उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन उचित प्रश्नपत्र के सैट और अंकन योजना के अनुसार किया है। यह भी प्रमाणित किया जाता है कि उत्तर पुस्तिका के अन्दर कोई भी प्रश्न बिना मूल्यांकन के नहीं छूटा है।

प्र० 1.
उ० 1.

(8)

(क) आजकल दूरदर्शन के धारावाहिकों का निम्न स्तर है। उनमें अश्लीलता, अनास्था, फैशन तथा नैतिक बुराइयाँ ही अधिक देखने को मिलती हैं। 2

(ख) दूरदर्शन का दुष्प्रभाव बच्चों पर अधिक पड़ता है क्योंकि, वे मानसिक रूप से परिपक्व नहीं होते। इस उम्र में वे जो भी देखते हैं इसका प्रभाव उनके दिमाग पर अंकित हो जाता है। 2

(ग) दूरदर्शन से ~~आत्मा~~ आत्मसीमितता, जड़ता, पंगुता, अकेलापन आदि दोष बढ़े हैं। इससे मानसिक विकास रुक जाता है, नज़र कमजोर हो सकती है तथा मानसिक तनाव बढ़ सकता है। समाजशास्त्रियों के एक वर्ग का मानना है कि समाज में चारों ओर फैली बुराइयों का एक बड़ा कारण दूरदर्शन है। 2

(घ) बाल्यावस्था → बाल्य + अवस्था। 1

(ङ) " दूरदर्शन और उसके प्रभाव " । 1

उ० 2.

(क) ' जो बीत गई सो बात गई ' से तात्पर्य है कि जो बुरा समय गुजर गया उसे भूल जाना चाहिए। जो बीत गया उसे याद करने का कोई लाभ नहीं है। 2

(ख) जब हमारा ~~हमा~~ कोई प्रिय हमसे अलग हो जाए या दूर चले जाए तो हमें आकाश को देखना चाहिए और प्रेरणा लेनी चाहिए, क्योंकि आकाश तारों से सुसज्जित होता है और इसके कई तारे ~~टूटते~~ टूटते हैं, फिर भी आकाश शोक नहीं मनाता। 2

(ग) 'मधुबन' का प्रतीकार्थ मानव-जाति है तथा 'सूखे फूल' → वह प्रिय व्यक्ति जो अलग होगया या स्वर्गवासी हो गया है, को दर्शाते हैं। 1

(घ) टूटे तारों का शोक आकाश / अंबर नहीं मनाता है। 1

(ङ) मेरे विचार से 'जीवन में एक सितारा' किसी अत्यधिक प्रिय और हृदय करीबी व्यक्ति को माना गया होगा। 1

प्र० 3
उ० 3

(3)

(ख) परिश्रमी व्यक्ति अवश्य सफल होता है। 1

(घ) जो कश्मीरी गेट में है उस निकल्सन कब्रगाह में इनका ताबूत उतारा गया। 1

(क) मैंने उस व्यक्ति को देखा और वह पीड़ा से कराह रहा था। 1

6

प्र० ५. (H)
उ० ५. (क) बालगोबिन भगत के द्वारा प्रभातियाँ गायीं जाती थी। 1

(ग) माँ ने बचपन में ही घोषित कर दिया था। 1

(घ) अवनि के ~~द्वारा~~ द्वारा चाय बनाई जा रही है। 1

(ङ) घायल हँस से उड़ा न गया। 1

प्र० ५. (W)
उ० ५. (क) पढ़ती है → क्रिया, अकर्मक क्रिया, स्त्रीलिंग, एकवचन। 1

(ख) यहाँ → अव्यय, क्रिया-विशेषण, स्थानवाचक क्रिया-विशेषण। 1

(घ) परिश्रमी → विशेषण, गुणवाचक विशेषण, अंकिता की विशेषता। 1

(ङ) रवि → संज्ञा, व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग। 1

(4)

प्र॰6 / उ॰6.

(क) " देखी माताओं की वीरान दशा,
कुछ बोल न पाए राम।
उजड़े सुहाग से पहचान लिया,
बात चले श्री धाम ॥ " 1

1

(ग) वीर रस।

1

(घ) वत्सल प्रेम।

(ङ.) (i) संयोग शृंगार ~~रस~~, (ii) वियोग शृंगार रस। 1

(5)

प्र॰7 / उ॰7.

(क) एक दिन एक शिष्या ने खाँ साहब से कहा कि - " बाबा! आप ये क्या करते हैं, इतनी प्रतिष्ठा है आपकी। अब तो आपको भारतरत्न भी मिल चुका है, यह फटी तहमद न पहना करें। अच्छा नहीं लगता, जब कोई आता 2

है आप इसी फटी तहमद में उनसे मिलते हैं।"
शिष्या ने ऐसा कहा क्योंकि प्रतिष्ठित होने का बावजूद
खाँ साहब का फटी तहमद पहनना उसे अच्छा नहीं लगता
था।

(ख) खाँ साहब ने शिष्या को समझाया कि भारतरत्न पुरस्कार
उन्हें शहनाई वादन पर मिला है, तहमद (लुंगी) पर
नहीं। यदि तुम लोगों की तरह सजना-सँवरना
देखते रहते तो पूरी उम्र बीत जाती लेकिन शहनाई वादन 2
नहीं होता।

(ग) इससे खाँ साहब के स्वभाव के बारे में पता
चलता है कि वह दिखावे की प्रवृत्ति नहीं
रखते थे तथा अपनी कला के लिए अभ्यास करते 1
थे।

(8)

प्र० 8.

उ० 8. (ख) बालगोबिन भगत की दिनचर्या लोगों के अचरज कारण थी क्योंकि :-

→ वे कभी झूठ नहीं बोला करते थे।
→ सबसे खरा व्यवहार रखते थे।
→ किसी ~~किसी~~ की वस्तु न बिना पूछे छूते और न ही व्यवहार में लाते थे।
→ सुबह-२ कोसों दूर ठंड में भी स्नान करने जाते थे।
→ किसी दूसरे के खेत में शौच नहीं करते थे। आदि। 2

(ग) बिस्मिल्ला खाँ मिली - जुली संस्कृति के प्रतीक थे, क्योंकि :-

→ वे हमेशा सभी को साथ मिलकर रहने की प्रेरणा देते रहते थे।
→ वे सभी ~~मंगलिक~~ मांगलिक कार्यों में शहनाई बजाते थे।
→ वे बाबा - विश्वनाथ तथा संकट मोचन मंदिर पर भी शहनाई बजाते थे। आदि। 2

(घ) 'फादर बुल्के की उपस्थिति देवदार की छाया जैसी लगती थी' क्योंकि :-

→ उनकी आँखों में सभी के लिए प्रेम झलकता था।
→ किसी के घर मांगलिक कार्य होता तो वह वहाँ जाकर बड़े भाई के रूप में आशीष देते थे।
→ सभी की रचनाओं पर वह अपनी राय देते थे।
→ सभी के लिए वह एक बड़े भाई की तरह थे। आदि। 2

(ङ) जब यानवाले द्वारा कैप्टन का मज़ाक उड़ाया जाता है तो मेजर साहब को बुरा लगता है और वे सोचते हैं कि " क्या होगा उस कौम का जो अपने देश की खातिर घर, जवानी - जिंदगी सब कुछ होम देने वालों पर भी हँसती है ", अर्थात् उस मानव - जाति का क्या होगा जो उन देशभक्तों और सैनानियों पर हँसती है जिन्होंने अपने देश के लिए जिंदगी, गृहस्थी, घर, जवानी सभी का त्याग कर दिया। 2

(W)

उ० १.

उ० १(क) 'हर चंद्रिका में छिपी एक रात कृष्णा है' - से कवि कहना चाहता है कि हमें लोभ-लालच में नहीं आना चाहिए। लाभ के लालच में हम बहुत दौड़ते हैं लेकिन कुछ प्राप्त नहीं होता। हर चमकती चीज़ सोना नहीं होती। उसी प्रकार हर चांदनी रात के पीछे एक काली रात होती है। 1

(ख) कवि ने यथार्थ के पूजन के बात इसलिए कही है क्योंकि वास्तविक जीवन कठिन जरूर होता है लेकिन उसका सामना करने में ही हमारा भला है। वास्तविक जीवन की कठिनाई से बचने के लिए पुरानी सुखद यादों को याद करने से दुख बढ़ता ही जाता है। 2

(ग) 'मृगतृष्णा' का प्रतीकात्मक अर्थ → धोखा। 1

(8)

उ० 10.

उ० 10. (क) लक्ष्मण ने धनुष के टूटने के निम्न कारणों की संभावना व्यक्त की →

→ धनुष पुराना और कमजोर था।
→ राम ने तो इसे नवीन के धोखे से देखा था।
→ बचपन मे हमने कई धनुहियाँ तोड़ी है किंतु गुरु जी ने हमपर क्रोध नही किया। 2

(ख) फागुन मे ये विशेषताएँ थी कि कवि की आँख हट नही रही है :-

→ चारों तरफ हरियाली फैली हुई थी।
→ ~~सुंदर~~ सुंदर-2 पुष्प खिले हुए थे।
→ मनोरम पवन मंद-2 बह रही थी।
→ चारों ओर खुशहाल महौल था।
→ हर तरह फूलों की सुगंध थी।
→ आकाश मे पक्षी उड़ रहे थे। 2

(ग) कवि के अनुसार फसल —

→ नदियों के पानी का जादू है।
→ हाथों के स्पर्श की महिमा है।
→ सूर्य की किरणों का ~~रूपांतर~~ है।
→ और मिट्टी का गुणधर्म है। 2

कवि कहता है कि फसल के लिए ये सभी तत्व अनिवार्य हैं। किसी एक तत्व से ही फसल नहीं उग सकती।

(ङ) मुख्य गायक / गायिका के पीछे जो छोरे गायक / गायिका गाते है और मुख्य गायक / गायिका की आवाज के साथ अपनी आवाज मिलाते हैं उन्हें संगतकार कहा जाता है।

संगतकार की भूमिका :- मुख्य गायक / गायिका का साथ देना। लय बनाए रखना। मुख्य गायक / गायिका को महसूस कराना कि वह अकेले नहीं है। आदि। 2

(4)

प्र॰ 11.

उ॰ 11. भारतीय शासन तंत्र पर किया गया व्यंग्य :-

(i) भारतीय शासन तंत्र मे अधिकारी किसी कार्य को इसलिए नहीं करते ताकि जनता को सुविधा हो बल्कि इसलिए करते हैं क्योंकि कोई बड़ा अधिकारी निरीक्षण करने आ रहा होता है या कोई विशेष अतिथि आ रहा होता है।

(ii) बड़े अधिकारी अपने कार्य छोटे अधिकारियों पर थोपते हैं।

(iii) कोई अपनी जिम्मेदारी का सही निर्वाह नहीं करता।

(iv) जिस प्रकार 'जार्ज पंचम की नाक' मे रानी के आने की वजह से शहर मे काम करवाये जाते हैं वैसे आम दिनों में नहीं करवाये जाते।

(v) सभी अधिकारी अपने कार्य को एक - दुसरे पर थोपते रहते हैं।

पत्रकारों की भूमिका :-

(i) अखबारों मे काम की खबर कम और बेकार की खबरें ज्यादा होती हैं।

(ii) किसी अतिथि का आना, किसी बड़ी हस्ती से जुड़ी खबरें आपको अखबारों में अत्यधिक मिल जाएँगी।
(iii) विदेशों की अधिक खबरें छपती हैं।
(iv) इसने हमारी संस्कृति को भी प्रभावित किया है।
(v) युवा लोग बड़ी हस्तियों की खबर पढ़कर उनकी नकल करने लगते हैं और अपनी संस्कृति को भुला देते हैं।

5

सेवा में,

श्री मान संपादक महोदय,
नव भारत टाइम्स,
कृष्णा विहार, दिल्ली - 86

विषय :- किसी विशेष टी. वी. चैनल द्वारा अंधविश्वासों को प्रोत्साहित करने वाले अवैज्ञानिक और तर्कहीन कार्यक्रम प्रायः दिखाए जाने पर विचार प्रस्तुत करते हुए संपादक को पत्र।

महोदय,

सविनय, निवेदन यह है कि मैं क्षेत्र कृष्णा विहार का निवासी हूँ। मैं आपको बताना चाहता हूँ कि टी. वी. पर एक चैनल आता है जिसपर प्रायः अंधविश्वासों को प्रोत्साहित करने वाले अवैज्ञानिक कार्यक्रम दिखाए जाए हैं जो बिल्कुल तर्कहीन होते हैं। ऐसे कार्यक्रमों से लोगों के मन-मास्तिष्क पर बुरा प्रभाव पड़ता है। उनके मन में भ्रम पैदा होने लगते हैं। वे अंधविश्वासी होने लगते है। विशेषकर युवा वर्ग पर इसका बेहद बुरा प्रभाव पड़ता है। इनसे समय- हानि भी होती है। ऐसे ~~चैनल~~ चैनलों को तो बंद कर देना चाहिए। आप इस विषय पर अवश्य ही अपने समाचारपत्र में छापें ताकि इस पर कार्यवाही की ~~आए~~ जाए।

आशा है कि आप इस विषय पर अवश्य अपने समाचार-पत्र में छापेंगे। ताकि समाज ऐसे अंधविश्वासों से दूर रहे।

सा. धन्यवाद

आपका दैनिक पाठक

राहुल

परीक्षा भवन

दिनांक → 19/3/2019

30/12.
30/12.

(10)

[स्वच्छ भारत अभियान]

भूमिका :- "स्वच्छता ही पूजा है" अर्थात् स्वच्छता के बिना कुछ भी कार्य सही भगवान भी दर्शन नहीं देते हैं। हमारे जीवन में स्वच्छता का बेहद महत्व है। हमारे स्वास्थ्य के अच्छा रहने के लिए स्वच्छता अति आवश्यक है। जहाँ गंदगी होती है वहाँ रोगों का संचरण भी अधिक होता है। अस्वच्छता से कई बीमारियाँ उत्पन्न होती है। अतः हमें स्वच्छता को महत्व देना चाहिए। स्वच्छता आदत में होनी चाहिए। जहाँ स्वच्छता होती है वहीं ईश्वर व लक्ष्मी का निवास होता है।
हमारे देश में स्वच्छता के लिए स्वच्छता अभियान शुरू किया गया जो व्यापक रूप से फैला।

"न हो गंदा कोई परिवेश,
स्वच्छ बनाएँ अपना देश।"

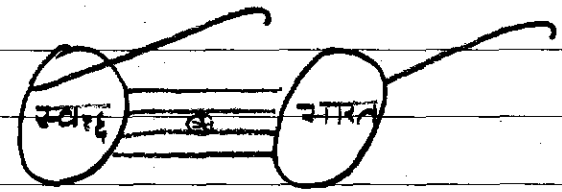

विकास में स्वच्छता का योगदान :- किसी देश के विकास में स्वच्छता बहुत जरूरी होती है। स्वच्छता होगी तो रोगों का संचरण भी कम होगा और लोग कम बीमार होंगे। लोग कम बीमार होंगे तो उनका पैसा भी बचेगा और देश का विकास भी तेज होगा। पर्यटन स्थलों पर स्वच्छता करने से पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होगी जिससे विदेशी मुद्रा अर्जित होगी व देश का विकास होगा। हमें हर जगह स्वच्छता रखनी चाहिए। हमारे देश की सरकार भी स्वच्छता पर बल दे रही है। हमें अपनी सरकार का साथ देना चाहिए।

"हम सबने मिलकर यह ठाना है,
भारत को स्वच्छ बनाना है।"

अस्वच्छता से हानियाँ :- अस्वच्छता से हानियां - ही - हानियाँ होती है। (1) रोगों का संचरण - जगह - 2 गंदगी फैलाने से वहाँ बीमारियों का सृजन होता है।

जिससे लोग बीमार हो जाते हैं तथा अस्पताल में अनका बहुत रूपया खर्च होता है। (ii) पर्यावरण प्रदूषण :- गंदगी से उत्पन्न बदबू वायु को भी दुर्गंधित कर देती है। (iii) मृदा प्रदूषण :- जहाँ गंदगी का ढेर होता है वहाँ गंदगी से हानिकारण तत्व मृदा में जाकर उसे प्रदूषित करते हैं। (iv) जल प्रदूषण :- कई लोग तालाबों, नदियों में कचरा फेंकते हैं, पशुओं को नहलाते हैं आदि। जिससे अनका जल गंदा हो जाता है।

अतः हमे स्वच्छता रखनी चाहिए।

"स्वच्छ भारत का इरादा कर लिया हमनें,
देश से अपने यह वादा कर लिया हमनें।"

रोकने के उपाय :- हम अस्वच्छता को रोक सकते हैं। इसके कुछ उपाय इस प्रकार हैं:-

(i) वृक्षारोपण करें। (ii) कचरा कचरापेटी में डालें।

(iii) नदियों में कचरा न फेंकें। (iv) तालाबों आदि में पशुओं को न नहलायें। (v) गीला व रसोईघर का कचरा हरे व सूखा कचरा नीले कचरा पेटी में डालें। (vi) नदियों को साफ करें। (vii) कचरे का सही निपटान करें। (viii) लोगों में जागरूकता फैलाएँ। (ix) गलियों में स्वच्छता रैली निकालें। आदि। स्वच्छता हमारा कर्तव्य है हमें इसे निभाना चाहिए।

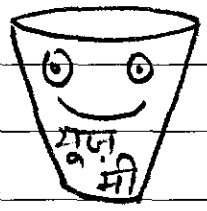

उपसंहार :- अतः हम निष्कर्ष निकालते हैं कि हमारे लिए स्वच्छता बहुत जरूरी है। हमें अपने आस-पास स्वच्छता रखनी चाहिए। हमें लोगों में जागरूकता का प्रसार करना चाहिए। हमें स्वच्छता में भागीदारी कर अपने देश के विकास में अपना योगदान देना चाहिए। अपने देश, घर, शहर को स्वच्छ करने का दायित्व उठाना चाहिए। हमें अपने स्वास्थ्य के लिए स्वच्छता को अपनाना ही पड़ेगा।

10

स्वच्छता परमो धर्म :॥

5

सफल

आओ लिखें

एक नई सोच

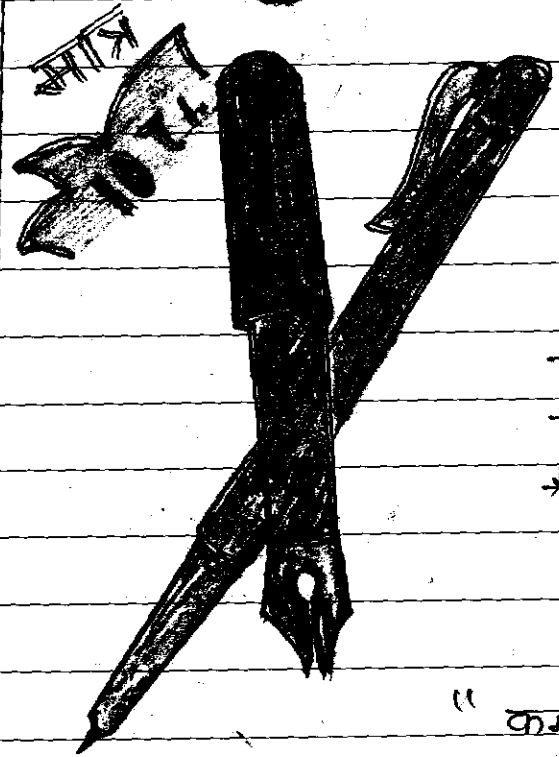

खूबियाँ :-

* नए युग का नया पेन।
* कम कीमत।
* अच्छी क्वालिटी।
* छात्रों की पहली पसंद।
* 10 सालों का अनुभव।

"कम पैसों में ज्यादा पाओ,
सफल पेन प्रयोग में लाओ।"

4581

V. Rana
4574

79/80 Seventy nine

सम्पर्क करें :- 110039449 , 91000017

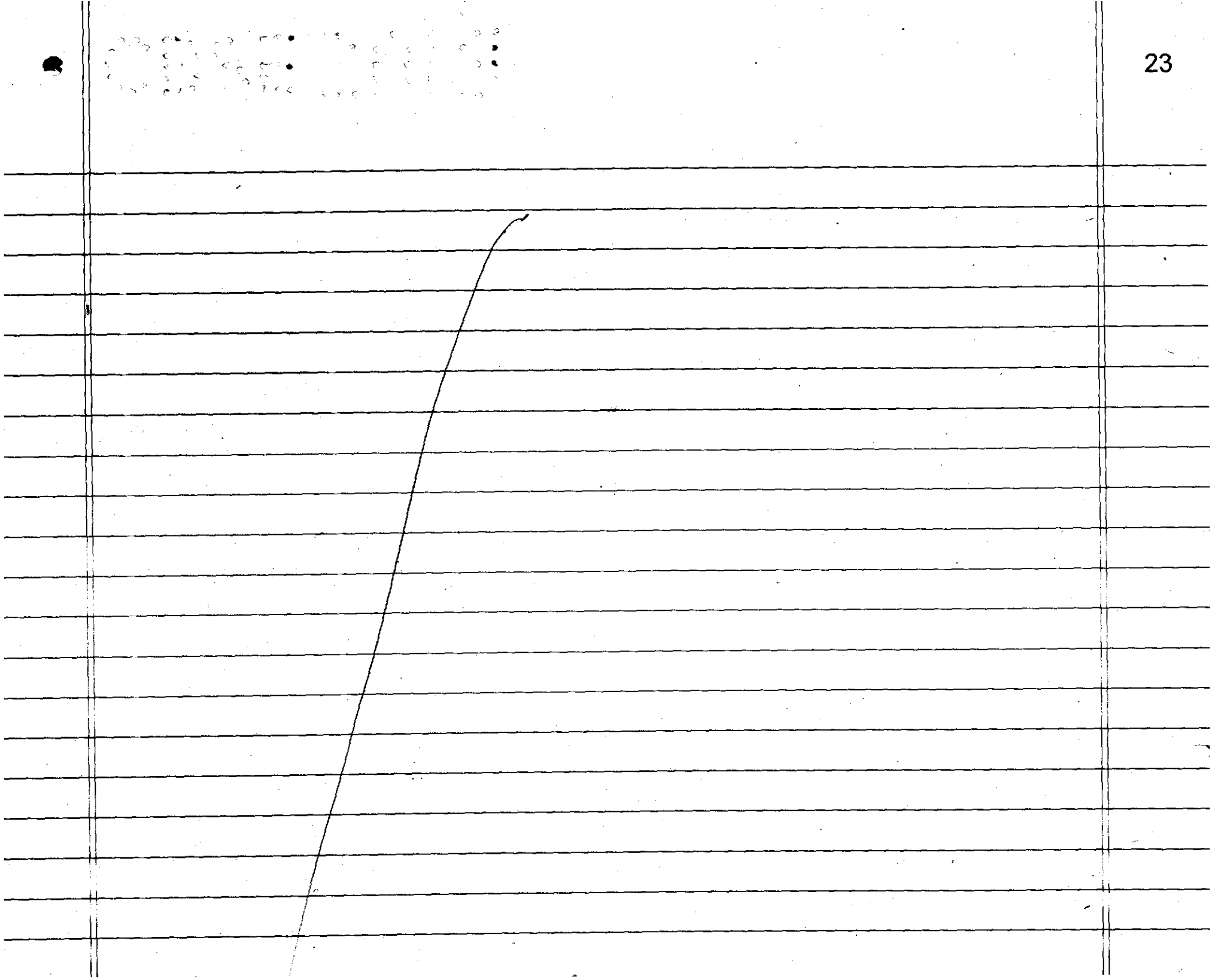

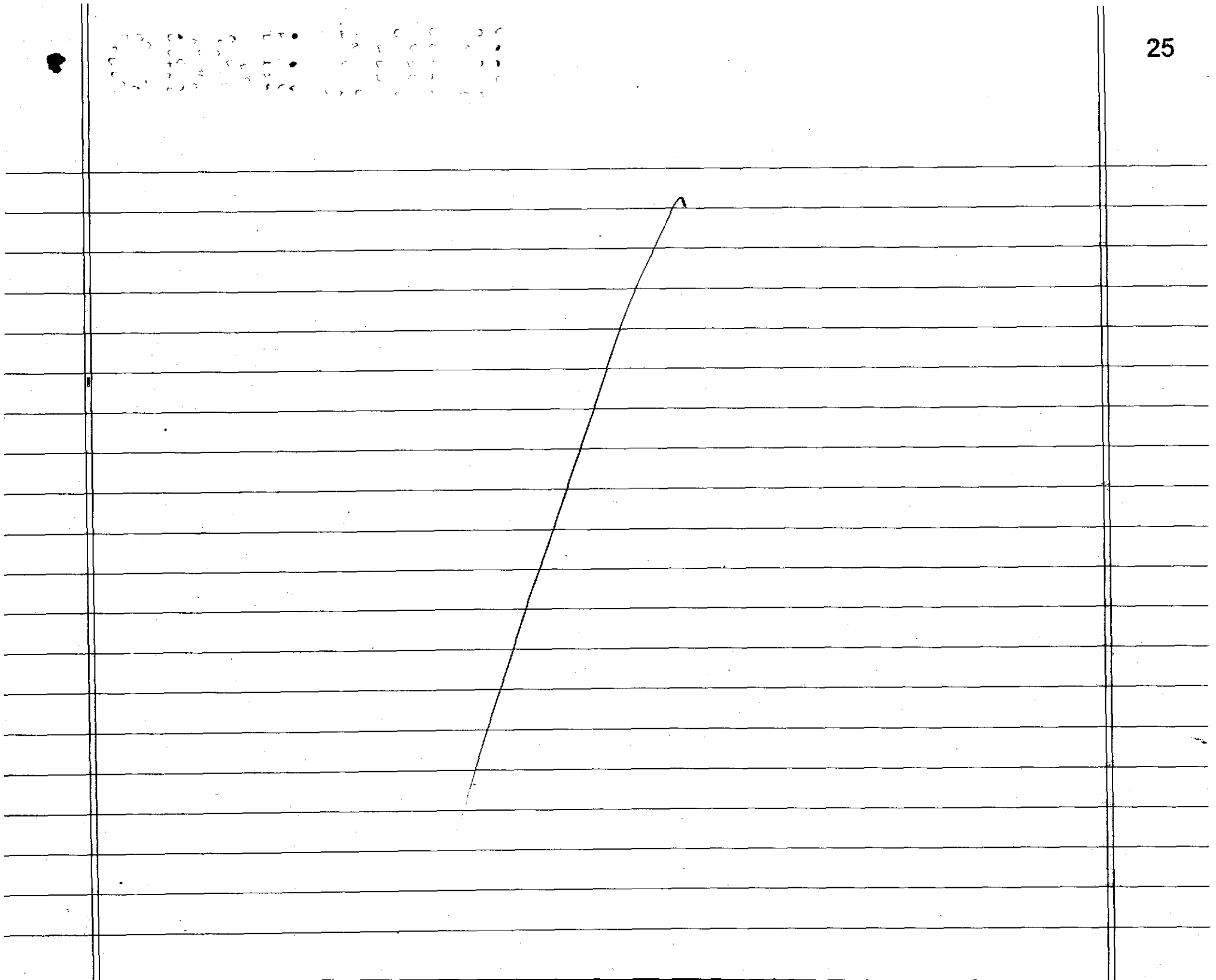

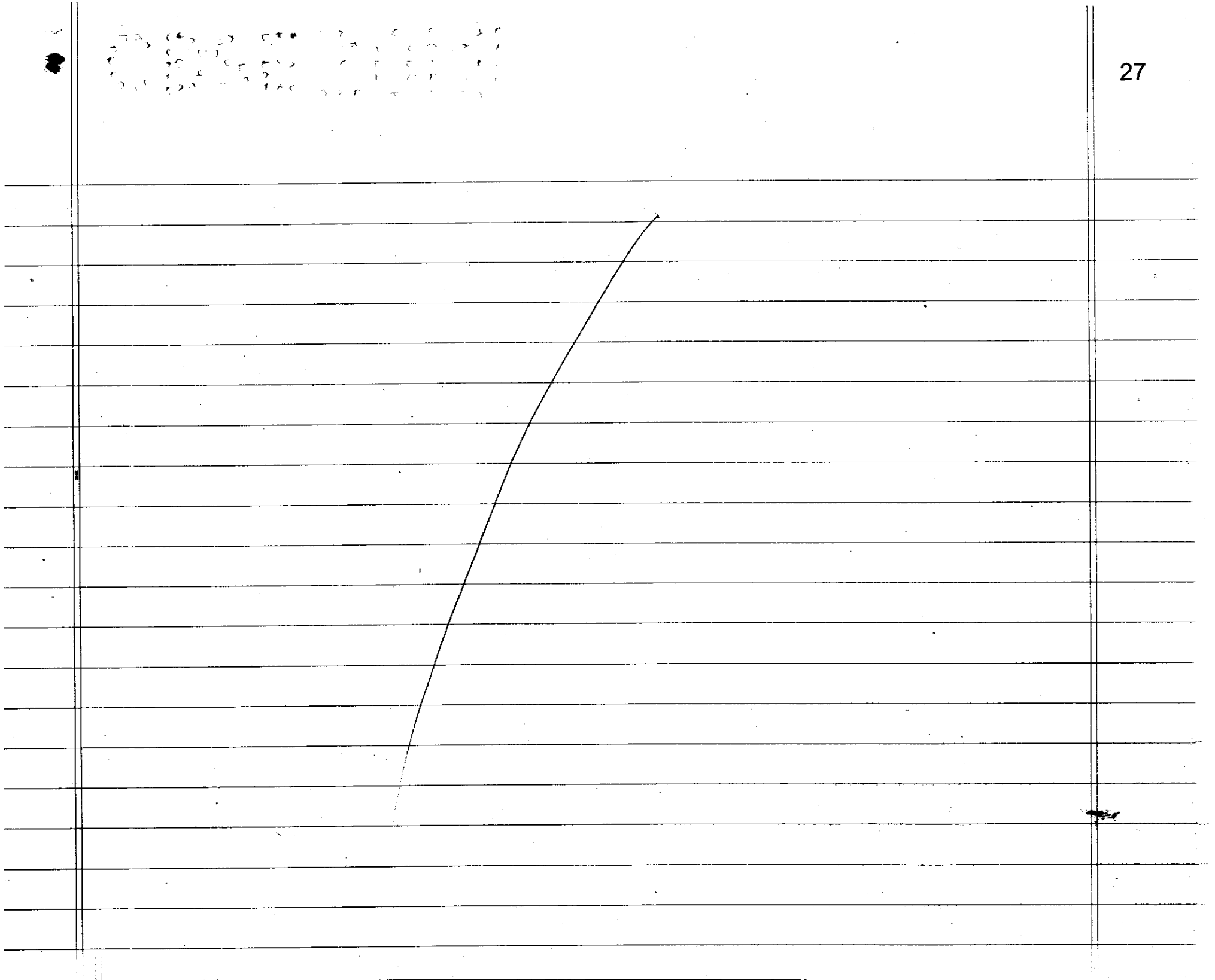

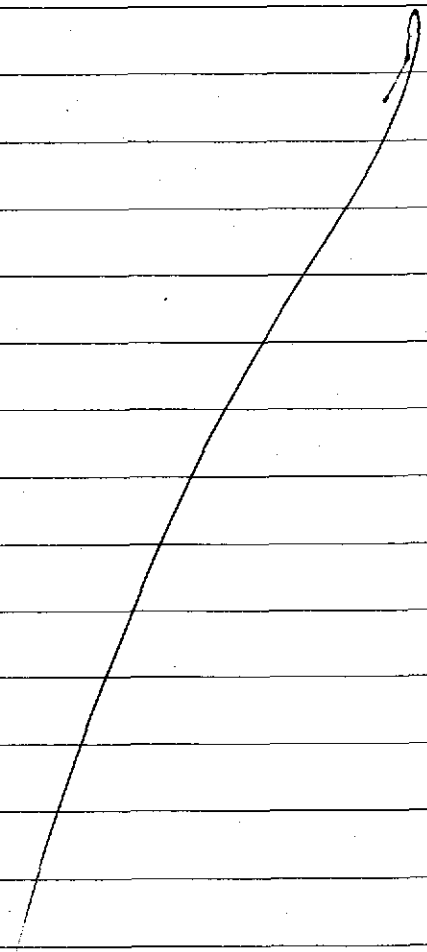

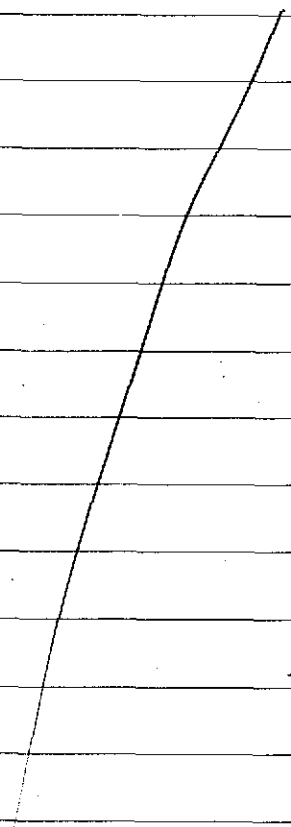

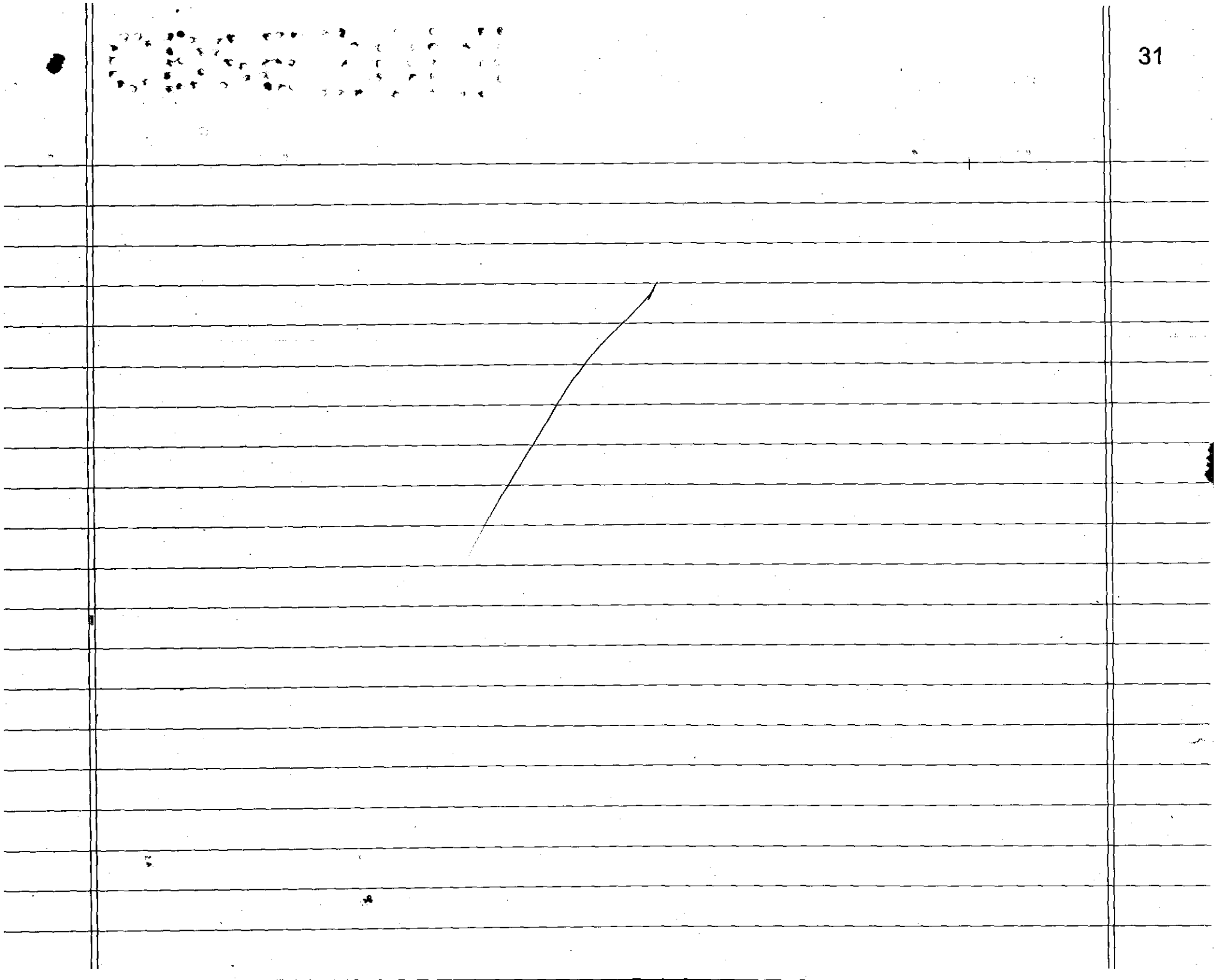

2019